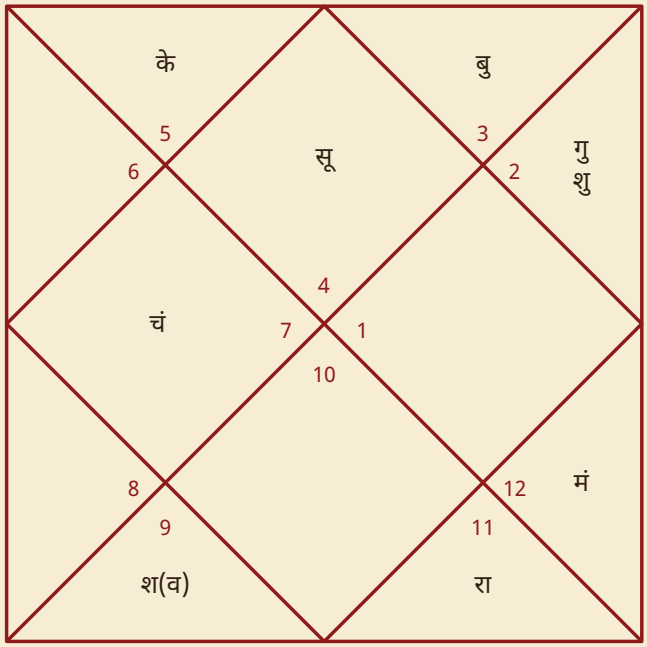
॥ शुभमस्तु ॥

जन्म पत्रिका

Meera

कुंडली और जन्म की जानकारी

आपकी जन्म कुंडली, पुराने ढंग से बनी हुई, और जिन बातों से यह बनाई गई।



जन्म कुंडली

जन्म की जानकारी

नाम	Meera
जन्म की तारीख़	22 जुलाई 1988
जन्म समय	06:45
लग्न	कर्क
राशि	तुला
नक्षत्र	चित्रा, पद 4
चल रही दशा	शनि–बुध, दिसंबर 2028 तक

पंडितजी की बात

मीरा जी, नमस्ते। यह पत्री आपकी ज़िंदगी की किताब है। आपका लग्न कर्क है, चंद्र राशि तुला है और जन्म नक्षत्र चित्रा है। एक बात में कहूँ तो आप सबकी परवाह करती हैं, और इज़्ज़त आपको समय के साथ, मेहनत से मिलती है। अभी शनि की महादशा चल रही है, जो अप्रैल 2023 से अप्रैल 2042 तक है। उसके भीतर बुध की अंतर्दशा दिसंबर 2028 तक चलेगी। यह समय मेहनत करने और सँभलकर चलने का है। आपके घर में सुकून रहे और मन में हिम्मत, यही मेरी शुभकामना है।

आपका स्वभाव

आप देखभाल करने वाली हैं, हिफ़ाज़त करने वाली हैं, और बारीक बात जल्दी भाँप लेती हैं। घर, दोस्तों और परिवार से आप गहराई से जुड़ी रहती हैं। बैंक की नौकरी के साथ घर भी सँभालना, इसी स्वभाव का रूप है। मन बदलता रहता है, पर एक बार तय कर लें तो आप अड़ जाती हैं। कभी-कभी जो फ़ैसला योजना को करना चाहिए, वह मूड कर देता है। इसलिए पहले भावना को नाम दीजिए, फिर फ़ैसला कीजिए।

आपको मेल-जोल और इंसाफ़ प्यारे हैं। आप समझदार लोगों का आदर करती हैं और पराई चीज़ पर लालच नहीं रखतीं। पर मन फ़ैसलों के बीच डोलता है, इसलिए हर फ़ैसले की समय-सीमा तय कीजिए। रंग, कपड़े और बनावट पर आपकी नज़र पैनी है। सुंदर भी और काम की भी चीज़ बनाने का हुनर आपमें है। भीतर भावनाएँ तेज़ और गहरी हैं, जिन्हें आप अपने तक रखती हैं। कभी रुख़ सख़्त हो जाता है और माफ़ करना मुश्किल लगता है, इसे नरम करना सीखिए।

सूर्य आपका सबसे बलवान ग्रह है और आपके लग्न में बैठा है। इसलिए आपमें हिम्मत, स्वाभिमान और दमदार मौजूदगी है, साथ में तेज़ मिज़ाज और कम सब्र भी। गोल-मोल भूमिका से ज़्यादा आप असली ज़िम्मेदारी में अच्छा करती हैं। छोटी बातें जल्दी चुभ जाती हैं, इसलिए जहाँ मौका मिले अगुवाई कीजिए और बाक़ी को जाने दीजिए। फिर भी नए जोखिम से आप पीछे हट सकती हैं, और हिम्मत छोटे क़दमों से बढ़ती है।

काम में आप फ़र्ज़ को गंभीरता से लेती हैं, और लोग आप पर भरोसा करते हैं। कई काम दूसरी बार में पकते हैं, पर जो दूसरों से छूट जाए, वह आप देख लेती हैं। हिसाब-किताब आपको आसानी से आ सकता है। जनता की सेवा वाले काम की तरफ़ भी खिंचाव रहता है। बातचीत और पढ़ाई सहज आती हैं, पर ये गुण अक्सर परदे के पीछे काम करते हैं और पहचान देर से मिलती है। सभा के सामने ज़ुबान अटक सकती है, इसलिए ज़रूरी भाषण से पहले अभ्यास कर लीजिए।

रिश्तों में आप लोगों का हाल भाँप लेती हैं, और उनके भूल जाने के बाद भी याद रखती हैं। आप कम और तौलकर बोलती हैं, इसलिए बोली में गर्मजोशी जान-बूझकर लाइए। अपनी पसंद पर भरोसा रखिए, भले किसी को निराशा हो। चिंता को आप ज़रूरत से ज़्यादा देर ढोती हैं, इसलिए अपने को कसूरवार मानना छोड़िए।

दोष और योग

मांगलिक दोष नहीं है, और काल सर्प भी नहीं है। साढ़ेसाती अभी नहीं चल रही। शनि का अगला भारी दौर ढैया है, यानी क़रीब ढाई साल का समय। यह अगस्त 2029 से मई 2032 तक रहेगा, और बीच में शनि कुछ समय के लिए पीछे लौटेगा। वह बदलाव और चीज़ों को फिर से परखने का समय होगा। उसमें पैसे, दोस्तों, अपनी चीज़ों और सेहत पर कुछ दबाव रह सकता है।

अकेले सब उठाने की आदत बताने वाला एक दोष आपकी कुंडली में था, पर वह कट गया है। भाग्य के उतार-चढ़ाव वाला एक योग भी कट गया है, इसलिए भाग्य ज़्यादा स्थिर चलता है।

अच्छी बात यह है कि राज योग है, यानी मेहनत और भाग्य आपस में जुड़े हैं। इससे समय के साथ रुतबा, ज़िम्मेदारी और इज़्ज़त बनती है। कुंडली में पहल और समूह की अगुवाई की ताक़त भी है। दबाव में टिके रहना, किफ़ायत से अपने बल पर जीना और हुनर से नाम बढ़ना भी इसी में लिखा है।

बीते बरस

आपने तीन बातें बताईं। अब देखते हैं कि वे उस समय की दशा से कितनी मेल खाती हैं।

2010 में आपकी पहली नौकरी लगी। तब गुरु–शनि की दशा थी, मई 2009 से दिसंबर 2011 तक। यह आधा मेल खाता है। दशा के दोनों ग्रह आपकी कुंडली में रोज़ के काम से जुड़े हैं, यह हिस्सा ठीक बैठता है। पर उस साल आसमान में गुरु और शनि काम वाली जगहों पर नहीं थे, यह हिस्सा मेल नहीं खाता।

2015 में आपकी शादी हुई। उसी साल फ़रवरी में दशा गुरु–केतु से बदलकर गुरु–शुक्र हुई। आपने साल बताया है, महीना नहीं। इसलिए मैं पक्का नहीं कह सकता कि शादी बदलाव से पहले हुई या बाद में।

2020 में आपने लखनऊ में अपना घर लिया। उस साल नवंबर में दशा गुरु–मंगल से बदलकर गुरु–राहु हुई। यहाँ भी सिर्फ़ साल से मैं नहीं कह सकता कि घर किस दशा में आया।

ये तीनों बातें गुरु की महादशा में हुईं, जो अप्रैल 2007 से अप्रैल 2023 तक चली। वह दौर कुल मिलाकर आपका साथ देने वाला था।

अभी का समय

अभी आप शनि की महादशा में हैं, जो अप्रैल 2023 से अप्रैल 2042 तक चलेगी। इस लंबे दौर में जो मिलता है, मेहनत से मिलता है। रोज़ का काम, सेवा और सब्र से मुक़ाबला आगे रहते हैं। पिता से दूरी, साथी और बच्चों की चिंता, और अफ़सरों से तनाव भी इसी दौर में आ सकते हैं। यह दौर कहता है कि जो बोझ आपका है, उसे पूरा उठाइए, और जो नहीं है, उसे नीचे रख दीजिए। कुछ साल धीमा इनाम देंगे, और कुछ सिर्फ़ काम।

इसके भीतर शनि–बुध की अंतर्दशा अप्रैल 2026 से दिसंबर 2028 तक है, और यह परखने वाला दौर है। शनि और बुध आमने-सामने हैं, इसलिए हर बात में बीच का रास्ता निकालना पड़ता है। फ़ायदा शुरू में दिख सकता है,

पर बीच और आख़िर में बोझ और झटके रह सकते हैं। सहारा काम के हुनर, सोची-समझी योजना और साफ़ हिसाब से मिलेगा।

पैसे में यह समय सँभलकर चलने का है, क्योंकि ख़र्च अक्सर कमाई से आगे निकलने लगते हैं। अभी सबसे छोटी परत, यानी प्रत्यंतर, शुक्र का है, जो अप्रैल 2027 तक आराम और अच्छी संगत लाता है, साथ में पैसे की थोड़ी चिंता भी। साढ़ेसाती अभी नहीं चल रही।

आसमान में अभी शनि और गुरु, दोनों साथ देने वाली जगह पर हैं। दूर जाने और सफ़र की बातें दिसंबर 2028 तक खुली हैं। जून 2027 से अक्टूबर 2027 तक काम की बात सबसे ज़्यादा सामने रहेगी।

आपने कहा कि घर और काम दोनों सँभालना भारी लगता है। यह दौर भी उसी तरफ़ झुकता है, क्योंकि यह मेहनत के साथ सब्र माँगता है। इसमें सीखने की बात यही है कि मेहनत के तनाव बनने से पहले मदद माँग लीजिए। काम के साथ आराम का समय भी बचाकर रखिए।

उपाय (अभी के लिए)

बुध के लिए:

- रोज़ दस मिनट कुछ पढ़िए या सीखिए, और योजनाएँ लिख लीजिए। अपनी बात एक बार सीधे और साफ़ कहिए।
- अगर मन माने, तो बुधवार को विष्णु जी या गणेश जी के आगे दीया जलाइए। “ॐ बुधाय नमः” 108 बार बोलिए, या समय कम हो तो 11 बार।
- दान में साबुत हरी मूंग या हरी सब्ज़ियाँ बुधवार को किसी पढ़ने वाले बच्चे को दीजिए, जितना आसानी से दे सकें।
- लाल किताब कहती है: मन करे तो दुर्गा पाठ पढ़िए या सुनिए, और ज़रूरतमंद को थोड़ी साबुत मूँग दीजिए।
- रत्न की ज़रूरत नहीं।

शनि के लिए:

- समय पर पहुँचिए, और धीमा, सीधा-सादा काम पहले निपटाइए। जो आपके यहाँ काम करे, उसे समय पर और इज़्ज़त से मेहनताना दीजिए।
- अगर मन माने, तो शनिवार को शनि देव के आगे दीया जलाइए। “ॐ शनैश्चराय नमः” 108 बार बोलिए, या समय कम हो तो 11 बार।
- दान में काले तिल, सरसों का तेल या कंबल शनिवार को किसी मेहनतकश को दीजिए, जितना आसानी से दे सकें।
- लाल किताब कहती है: ज़रूरतमंद को थोड़ी साबुत उड़द दीजिए, और अपनी रोटी का एक टुकड़ा कौओं के लिए रख दीजिए।
- रत्न की ज़रूरत नहीं।

आने वाला समय और उपाय

अगले तीन साल

- नवंबर 2026 से जनवरी 2027: गुरु से फ़ायदे, इज़्ज़त और नए ओहदे का झुकाव, और शनि से मेहनत के बल पर रुकावटें पार; करें: काम में लगातार बने रहिए; बचें: बिना सीमा तय किए ख़र्च करना।
- फ़रवरी 2027 से अक्टूबर 2027: अगस्त 2027 तक अपने शरीर का ध्यान, और जून 2027 से शनि काम की जगह पर; करें: दिनचर्या और आराम एक सा रखिए; बचें: दिनों को बहुत भरा रखना।
- अक्टूबर 2027 से फ़रवरी 2028: शनि फिर साथ देने वाली जगह पर, जहाँ लगातार मेहनत से रुकावटें पार होती हैं; करें: रुके काम धीरज से निपटाइए; बचें: जल्दबाज़ी में उधार देना या लेना।
- फ़रवरी 2028 से दिसंबर 2028: शनि फिर काम की जगह पर, और सफ़र या दूर जाने की बात सामने; करें: दूर जाने की योजना सोच-समझकर बनाइए; बचें: ख़र्च को कमाई से आगे जाने देना।
- दिसंबर 2028 से अगस्त 2029: पैसे को हल्का साथ मिलता है; करें: सीधा हिसाब रखिए और एक सुरक्षित रक़म अलग रखिए; बचें: जल्दबाज़ी में उधार देना या लेना।
- अगस्त 2029 से नवंबर 2029: ढैया शुरू होता है, जो मई 2032 तक सब्र माँगेगा; करें: दिनचर्या और आराम एक सा रखिए; बचें: साझे पैसे के मामले ढीले छोड़ना।

शनि–केतु दशा: दिसंबर 2028 से जनवरी 2030

यह मिला-जुला दौर है, और मन मोह से हटकर भीतर की तरफ़ मुड़ता है। इस जोड़ी को मुश्किल माना जाता है, पर भक्ति और अफ़सरों के सहारे का झुकाव भी रहता है। ज़िंदगी को सादा कीजिए, और जो अब काम का नहीं, उसे छोड़ दीजिए। पैसे का हल्का साथ इसी दौर में है, और ढैया इसके आख़िरी हिस्से में शुरू होता है।

उपाय

- रोज़ दस मिनट मौन में बैठिए, और हर हफ़्ते एक दराज़ ख़ाली कीजिए।
- अगर मन माने, तो मंगलवार को गणेश जी के आगे दीया जलाइए। “ॐ केतवे नमः” 108 या 11 बार बोलिए।
- दान में कुलथी, तिल या कंबल मंगलवार को ज़रूरतमंद को दीजिए, जितना आसानी से दे सकें।
- लाल किताब कहती है: गली के कुत्ते को सादी रोटी दीजिए, और ज़रूरतमंद को थोड़े तिल।
- रत्न की ज़रूरत नहीं।

शनि–शुक्र दशा: जनवरी 2030 से अप्रैल 2033

यह भी मिला-जुला दौर है, और इसमें घर और फ़ायदे की बात आगे रहती है। शनि और शुक्र अलग-अलग खिंचते हैं, इसलिए जो मिलता है उसमें ज़्यादा मेहनत या पैसा लगता है। रिश्ते, घर और पढ़ाई, तीनों को इन सालों में साथ मिलता है। मई 2032 तक ढैया भी चलता रहेगा, इसलिए सब्र बनाए रखिए।

उपाय

- घर और काम की जगह साफ़ और सुहावनी रखिए। हर हफ़्ते संगीत, खाना बनाने, कला या बगीचे को कुछ समय दीजिए।
- अगर मन माने, तो शुक्रवार को लक्ष्मी जी के आगे दीया जलाइए। "ॐ शुक्राय नमः" 108 या 11 बार बोलिए।
- दान में चावल, चीनी, दही या सफ़ेद कपड़ा शुक्रवार को किसी ज़रूरतमंद महिला को दीजिए, जितना आसानी से दे सकें।
- लाल किताब कहती है: जिसे खाने की ज़रूरत हो, उसके साथ अपना खाना बाँटिए।
- रत्न की ज़रूरत नहीं।

शनि–सूर्य दशा: अप्रैल 2033 से मार्च 2034

यह परखने वाला दौर है, और इसमें मेहनत या पैसा आम से ज़्यादा लगता है। अपने आप को और पैसे को सरल और टिका हुआ रखिए। बड़े फ़ैसले धीरे-धीरे लीजिए, क्योंकि सब्र से किया काम यहाँ भी टिकता है और बाद के महीने अक्सर हल्के हो जाते हैं।

उपाय

- रोज़ लगभग एक ही समय उठिए, और पहले दस मिनट फ़ोन से दूर, दिन की रोशनी में बिताइए।
- अगर मन माने, तो रविवार को सूर्य देव के आगे दीया जलाइए या उगते सूर्य को जल चढ़ाइए। "ॐ सूर्याय नमः" 108 या 11 बार बोलिए।
- दान में गेहूँ, गुड़ या लाल कपड़ा रविवार को ज़रूरतमंद को या मंदिर की रसोई में दीजिए, जितना आसानी से दे सकें।
- लाल किताब कहती है: चाहें तो हरिवंश कथा का कोई हिस्सा पढ़िए या सुनिए, और ज़रूरतमंद को थोड़ा गेहूँ या आटा दीजिए।
- रत्न की ज़रूरत नहीं।

शनि–चंद्रमा दशा: मार्च 2034 से अक्टूबर 2035

यह मज़बूत दौर है, और लगातार मेहनत यहाँ फल देती है। घर के लिए और अपने लिए इसका इस्तेमाल कीजिए, और जो काम टालती रही हैं, उसे शुरू कीजिए। रिश्तों को भी इस दौर में साथ मिलता है। शुरू और आख़िर के कम आसान महीनों के लिए थोड़ा समय और पैसा बचाकर रखिए।

उपाय

- खाना और सोना लगभग तय समय पर रखिए, और शाम को दस मिनट बिना स्क्रीन शांत बैठिए। हर हफ़्ते किसी भरोसे के इंसान से खुलकर बात कीजिए।
- अगर मन माने, तो सोमवार को शिव जी या चंद्र देव के आगे दीया जलाइए। "ॐ चंद्राय नमः" 108 या 11 बार बोलिए।
- दान में चावल, दूध या सफ़ेद कपड़ा सोमवार को ज़रूरतमंद को दीजिए, जितना आसानी से दे सकें।

- लाल किताब कहती है: मन करे तो अपने इष्ट देव से अपने ढंग से प्रार्थना कीजिए, और ज़रूरतमंद को थोड़ा चावल या दूध दीजिए।
- रत्न: मोती, पहनना चाहें तो; ज़रूरी नहीं।

बुध महादशा: अप्रैल 2042 से अप्रैल 2059

यह मिला-जुला दौर है, जो बहुत से छोटे मौके और कुछ उलझनें देता है। ख़याल तेज़ी से आएँगे, इसलिए दो चुनिए और उन्हें पूरा कीजिए। शुरुआत बुध–बुध से होती है, अप्रैल 2042 से सितंबर 2044 तक, जो परखने वाला है और पैसे में ध्यान माँगता है। उसके बाद बुध–केतु सितंबर 2045 तक चलता है, जो मिला-जुला है।

उपाय वही, जो ऊपर बुध के लिए बताए।

इस ज़िंदगी की महादशाएँ

महादशा	से	तक	उम्र
मंगल	जुलाई 1988	अप्रैल 1989	0–0
राहु	अप्रैल 1989	अप्रैल 2007	0–18
गुरु	अप्रैल 2007	अप्रैल 2023	18–34
शनि (चल रही)	अप्रैल 2023	अप्रैल 2042	34–53
बुध	अप्रैल 2042	अप्रैल 2059	53–70
केतु	अप्रैल 2059	अप्रैल 2066	70–77
शुक्र	अप्रैल 2066	अप्रैल 2086	77–97

काम, शादी, पैसा और घर

काम: आपका करियर एक मज़बूत खंभे पर टिका है, उसी के इर्द-गिर्द आगे बनाइए। कुंडली ऊँचा रुतबा और ऐसा ओहदा बताती है, जहाँ आपकी बात का वज़न हो। सबसे अच्छा समय शनि–मंगल दशा है, अक्टूबर 2035 से नवंबर 2036 तक। उस समय गुरु और शनि, दोनों काम पर एक साथ असर डालते हैं। बाद में बुध–मंगल दशा भी साथ देती है, अक्टूबर 2050 से अक्टूबर 2051 तक।

शादी: साझेदारी आपको आसानी से आती है और आपका सबसे अच्छा रूप सामने लाती है। फिर भी शादी सब्र माँगती है। साथी की सेहत का ध्यान रखना होगा, और ग़ुस्सा तनातनी में बदल सकता है। झगड़े को आदत न बनने दीजिए, और साथ की शांति के लिए जगह रखिए। रिश्ते के लिए सबसे अच्छे साल शनि–शुक्र दशा के हैं, जनवरी 2030 से अप्रैल 2033 तक। फिर मार्च 2034 से अक्टूबर 2035 तक भी अच्छा साथ है।

पैसा: पैसे में आपकी ताक़त जोड़ने और सँभालने में है। कमाई दिन-ब-दिन बढ़ने का झुकाव है, पर ख़र्च भी भारी रहता है। जल्दी या अनोखे तरीक़े से आने वाला पैसा आपको खींचता है, और यही जोश नुकसान के पीछे भी भगा सकता है। इसलिए कोई भी दाँव छोटा रखिए, लिखकर तय कीजिए, और लुभावने ऑफ़र पर किसी भरोसेमंद से पूछ लीजिए। पैसा अक्सर बेतरतीब आता-जाता है, इसलिए सीधा हिसाब और एक सुरक्षित रक़म रखिए। दिसंबर 2028 तक का सावधानी वाला समय मैं बता चुका हूँ। उसके बाद जनवरी 2030 तक पैसे को हल्का साथ मिलता

है, और इस दौरान इससे मज़बूत समय नहीं आता।

घर और जायदाद: घर आपके लिए सुकून और ताक़त का ठिकाना है। लखनऊ का आपका अपना घर इसी बात की अच्छी मिसाल है। घर और माँ से आपका गहरा जुड़ाव रहता है, और घर की शांति को साथ लेकर चलना आपको टिकाए रखता है। घर के मामलों को हल्का साथ जनवरी 2030 से अप्रैल 2033 तक मिलता है।

बच्चे: बच्चों की बात आए, तो पढ़ाई और देखभाल आपके मज़बूत पहलू हैं। यहाँ मंगल की ताक़त आगे रहती है।

पढ़ाई: सीखने की आपकी बुनियाद मज़बूत है, और ध्यान लगाने से वह सामने आती है। लिखना और पढ़ाना आपको रास आता है, और पढ़ाई से अक्सर भाग्य चमकता है। जनवरी 2030 से अप्रैल 2033 तक पढ़ाई को हल्का साथ मिलता है। सबसे मज़बूत समय बुध–चंद्रमा दशा है, मई 2049 से अक्टूबर 2050 तक। उससे पहले सितंबर 2045 से जुलाई 2048 तक भी अच्छा साथ है।

सफ़र और विदेश: आपकी जड़ें आपको मज़बूती से थामे रखती हैं, इसलिए दूर जाने के लिए सोच-समझकर योजना बनानी पड़ती है। अभी की बुध की अंतर्दशा इस बात को सामने रखती है। आगे अप्रैल 2042 से सितंबर 2044 तक, और अक्टूबर 2051 से अप्रैल 2054 तक भी यही बात उभरती है।

सेहत

आपकी कुंडली कूल्हों और जाँघों का ध्यान रखने को कहती है। यह हिस्सा चलने-फिरने और सफ़र से जुड़ा माना जाता है, इसलिए शरीर को चलाते रहना इसकी सीधी देखभाल है। रोज़ कूल्हों का स्ट्रेच कीजिए, और कमर के आसपास के वज़न पर नज़र रखिए।

दो दौर ख़ास ध्यान के हैं। पहला फ़रवरी 2027 से अगस्त 2027 तक है, जब अपने शरीर का ही ध्यान रखना है। उस समय एक सी दिनचर्या और आराम रखिए, और दिनों को बहुत भरा मत रखिए। दूसरा अगस्त 2029 से मई 2032 तक है, जो ढैया का दबाव लाता है और सब्र माँगता है। उन सालों में भी दिनचर्या और आराम एक सा रखिए।

जो भी बात परेशान करे, उसके लिए डॉक्टर को दिखाइए, और नियमित जाँच करवाती रहिए।

आपके सवाल

क्या अगले दो साल में अपना काम शुरू करना ठीक रहेगा?

अगले दो साल पूरी तरह अपना काम शुरू करने के पक्ष में कम हैं, पर छोटी तैयारी के लिए अच्छे हैं। वजह पैसा है, क्योंकि दिसंबर 2028 तक ख़र्च कमाई से आगे निकलने का झुकाव रहता है। इसलिए उधार उठाकर शुरुआत मत कीजिए, और कुछ पैसा हाथ में रखिए। आपका करियर जिस खंभे पर टिका है, उसे थामे हुए ही आगे बनाइए।

कुंडली में अपने बल पर जीने की बात है, इसलिए आपकी यह इच्छा बेवजह नहीं है। अगस्त 2029 तक सीख और तरक़्क़ी का साथ है, इसलिए पढ़िए और छोटे स्तर पर कुछ खड़ा कीजिए। वादे उतने ही रखिए, जितने सँभाल सकें। जून 2027 से अक्टूबर 2027 तक काम की बात सबसे सामने रहेगी, तो योजना और हिसाब तभी साफ़ कर

लीजिए। कोई दाँव लगे तो छोटा रखिए और लिखकर तय कीजिए।

बड़े क़दम के लिए आगे के दौर ज़्यादा मज़बूत हैं। मार्च 2034 से अक्टूबर 2035 तक टाला हुआ काम शुरू करने का समय है। उसके ठीक बाद नवंबर 2036 तक काम का सबसे अच्छा दौर आता है।

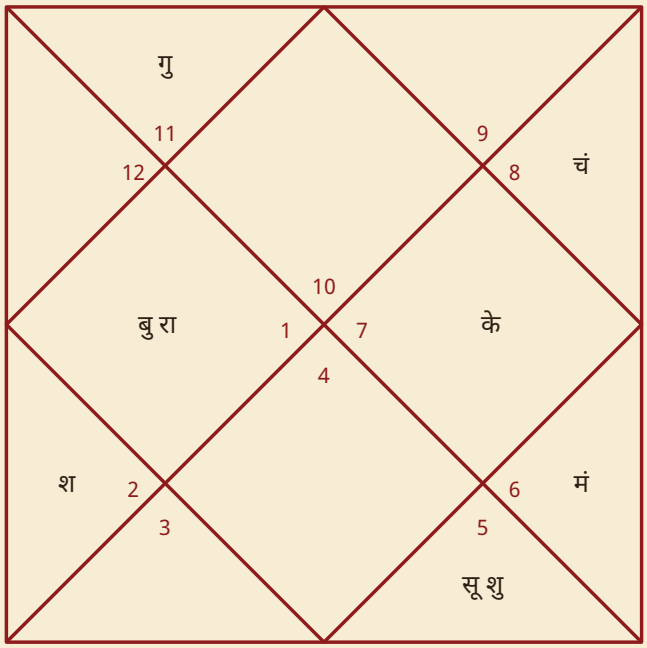
तीन बातें, याद रखने की

1. हर शनिवार लिखिए कि इस महीने आप किस चीज़ की ज़िम्मेदार हैं और किस चीज़ की नहीं।
2. दिसंबर 2028 तक हर ख़र्च से पहले सीमा तय कीजिए, और जल्दबाज़ी में न उधार दीजिए, न लीजिए।
3. मेहनत के तनाव बनने से पहले मदद माँग लीजिए, और घर और काम का बोझ अकेले मत ढोइए।

आपका घर भी सँभला रहे, काम भी, और आपके हिस्से में थोड़ा आराम भी आए, यही मेरी शुभकामना है।

परिशिष्ट: ग्रह और दशाएँ

जो हिसाब देखना चाहें, उनके लिए। ऊपर की बातें समझने के लिए यह ज़रूरी नहीं।



नवांश कुंडली

ग्रह स्पष्ट: जन्म के समय ग्रह कहाँ थे

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	वक्री
सूर्य	कर्क	5°46'	पुष्य, 1	
चंद्रमा	तुला	5°18'	चित्रा, 4	
मंगल	मीन	9°52'	उत्तर भाद्रपद, 2	
बुध	मिथुन	22°25'	पुनर्वसु, 1	
गुरु	वृषभ	6°19'	कृत्तिका, 3	
शुक्र	वृषभ	25°22'	मृगशिरा, 1	
शनि	धनु	3°24'	मूल, 2	हाँ
राहु	कुंभ	22°43'	पूर्व भाद्रपद, 1	
केतु	सिंह	22°43'	पूर्व फाल्गुनी, 3	

हर अंतर्दशा, जन्म से तालिका के अंत तक

दशा	से	तक	उम्र	कैसा दौर
मंगल–सूर्य	जुलाई 1988	सितंबर 1988	0	मज़बूत
मंगल–चंद्रमा	सितंबर 1988	अप्रैल 1989	0	मज़बूत
राहु–राहु	अप्रैल 1989	दिसंबर 1991	0	परखने वाला
राहु–गुरु	दिसंबर 1991	मई 1994	3	मिला-जुला

दशा	से	तक	उम्र	कैसा दौर
राहु–शनि	मई 1994	मार्च 1997	5	मिला-जुला
राहु–बुध	मार्च 1997	अक्टूबर 1999	8	मिला-जुला
राहु–केतु	अक्टूबर 1999	अक्टूबर 2000	11	मिला-जुला
राहु–शुक्र	अक्टूबर 2000	अक्टूबर 2003	12	मिला-जुला
राहु–सूर्य	अक्टूबर 2003	सितंबर 2004	15	मिला-जुला
राहु–चंद्रमा	सितंबर 2004	मार्च 2006	16	मज़बूत
राहु–मंगल	मार्च 2006	अप्रैल 2007	17	मज़बूत
गुरु–गुरु	अप्रैल 2007	मई 2009	18	मिला-जुला
गुरु–शनि	मई 2009	दिसंबर 2011	20	परखने वाला
गुरु–बुध	दिसंबर 2011	मार्च 2014	23	परखने वाला
गुरु–केतु	मार्च 2014	फ़रवरी 2015	25	मिला-जुला
गुरु–शुक्र	फ़रवरी 2015	अक्टूबर 2017	26	मज़बूत
गुरु–सूर्य	अक्टूबर 2017	अगस्त 2018	29	मज़बूत
गुरु–चंद्रमा	अगस्त 2018	दिसंबर 2019	30	मज़बूत
गुरु–मंगल	दिसंबर 2019	नवंबर 2020	31	मज़बूत
गुरु–राहु	नवंबर 2020	अप्रैल 2023	32	परखने वाला
शनि–शनि	अप्रैल 2023	अप्रैल 2026	34	परखने वाला
शनि–बुध (चल रही)	अप्रैल 2026	दिसंबर 2028	37	परखने वाला
शनि–केतु	दिसंबर 2028	जनवरी 2030	40	मिला-जुला
शनि–शुक्र	जनवरी 2030	अप्रैल 2033	41	मिला-जुला
शनि–सूर्य	अप्रैल 2033	मार्च 2034	44	परखने वाला
शनि–चंद्रमा	मार्च 2034	अक्टूबर 2035	45	मज़बूत
शनि–मंगल	अक्टूबर 2035	नवंबर 2036	47	मज़बूत
शनि–राहु	नवंबर 2036	सितंबर 2039	48	परखने वाला
शनि–गुरु	सितंबर 2039	अप्रैल 2042	51	परखने वाला
बुध–बुध	अप्रैल 2042	सितंबर 2044	53	परखने वाला
बुध–केतु	सितंबर 2044	सितंबर 2045	56	मिला-जुला
बुध–शुक्र	सितंबर 2045	जुलाई 2048	57	मिला-जुला
बुध–सूर्य	जुलाई 2048	मई 2049	59	मिला-जुला
बुध–चंद्रमा	मई 2049	अक्टूबर 2050	60	मज़बूत
बुध–मंगल	अक्टूबर 2050	अक्टूबर 2051	62	मज़बूत
बुध–राहु	अक्टूबर 2051	अप्रैल 2054	63	परखने वाला
बुध–गुरु	अप्रैल 2054	अगस्त 2056	65	परखने वाला
बुध–शनि	अगस्त 2056	अप्रैल 2059	68	मिला-जुला
केतु–केतु	अप्रैल 2059	सितंबर 2059	70	मिला-जुला
केतु–शुक्र	सितंबर 2059	नवंबर 2060	71	मज़बूत

दशा	से	तक	उम्र	कैसा दौर
केतु–सूर्य	नवंबर 2060	मार्च 2061	72	मिला-जुला
केतु–चंद्रमा	मार्च 2061	अक्टूबर 2061	72	मज़बूत
केतु–मंगल	अक्टूबर 2061	मार्च 2062	73	मज़बूत
केतु–राहु	मार्च 2062	मार्च 2063	73	परखने वाला
केतु–गुरु	मार्च 2063	मार्च 2064	74	मज़बूत
केतु–शनि	मार्च 2064	अप्रैल 2065	75	मिला-जुला
केतु–बुध	अप्रैल 2065	अप्रैल 2066	76	परखने वाला
शुक्र–शुक्र	अप्रैल 2066	अगस्त 2069	77	मिला-जुला
शुक्र–सूर्य	अगस्त 2069	अगस्त 2070	81	मिला-जुला
शुक्र–चंद्रमा	अगस्त 2070	अप्रैल 2072	82	मिला-जुला
शुक्र–मंगल	अप्रैल 2072	जून 2073	83	मज़बूत
शुक्र–राहु	जून 2073	जून 2076	84	परखने वाला
शुक्र–गुरु	जून 2076	फ़रवरी 2079	87	मिला-जुला
शुक्र–शनि	फ़रवरी 2079	अप्रैल 2082	90	परखने वाला
शुक्र–बुध	अप्रैल 2082	फ़रवरी 2085	93	परखने वाला
शुक्र–केतु	फ़रवरी 2085	अप्रैल 2086	96	मिला-जुला

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत् ॥

सब सुखी हों, सब निरोग रहें, सब शुभ देखें, और किसी को दुख न मिले।

॥ इति शुभम् ॥